भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्
वी.रामलिंगस्वामी भवन, अंसारी नगर, नई दिल्ली-११००२९

२४ सितम्बर २०१३

प्रेस विज्ञप्ति

५१ वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट शोध के लिये जैव-आयुर्विज्ञान पुरस्कार

- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नबी आज़ाद ने प्रदान किये पुरस्कार
- वैज्ञानिकों की प्रशंसा की

नई दिल्ली, २४ सितम्बर -देश के लोगों के स्वास्थ्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किये गये उच्च गुणवत्ता के शोध हेतु केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री गुलाम नबी आज़ाद ने आज ५१ वैज्ञानिकों को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दिये जाने वाले पुरस्कारों से नवाजा। ये पुरस्कार वर्ष २००९ और २०१० के लिये प्रदान किये गये।

इसके अलावा वर्ष २०१० के लिये डा.भीम राव अंबेडकर पुरस्कार एम्स संस्थान के डा. विनोद के. पॉल को और वर्ष २००८ हेतु यही पुरस्कार प्रसिद्ध लीवर रोग विशेषज्ञ डा. एस.के.सरीन को प्रदान किया गया है। वर्ष २००७ के लिये जालमा न्यास निधि व्याख्यान पुरस्कार डा. भूषण कुमार को प्रदान किया गया।

बसंती देवी अमीर चंद पुरस्कार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा सन १९५३ में स्थापित किया गया था। सन् २०१० के लिये यह पुरस्कार परिषद् के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान के वैज्ञानिक डा. भानुप्रकाश रेड्डी को और २००९ के लिये पी.जी.आई. चंडीगढ़ के डा.राधाकृष्ण धीमान को प्रदान किया गया।

सन २०१० का अमृत मोदी यूनीकेम पुरस्कार पी जी आई चंडीगढ़ के डा.सुनीत सिंघी को और वर्ष २००९ के लिये नई दिल्ली में मौलाना आज़ाद मैडिकल कॉलेज के डा. प्रेमाशीष कार को प्रदान किया गया। परिषद् के मुंबई स्थित जेनेटिक्स रिसर्च सेंटर के डा. पराग एम.तम्हंकर को सन् २०१० का एच.बी.डिंग्ले पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सन् २०१० का क्षणिका स्मृति व्याख्यान पुरस्कार श्री चित्र तिरुनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैडिकल साइंसेज की डा. एनि जॉन और दिल्ली स्थित जे.एन.यू. की डा. सुधा महाजन को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया है जबकि सन् २००९ के लिये यही पुरस्कार हैदराबाद स्थित डी एन ए फिंगरप्रिंटिंग एवं डायग्नॉस्टिक केन्द्र की डा.संगीता मुखोपाध्याय को प्रदान किया है।

अल्पविकसित समुदायों से संबंधित वैज्ञानिकों के लिये परिषद् द्वारा स्थापित किये गये आयुर्विज्ञान शोध पुरस्कारों के अन्तर्गत सन् २०१० के लिये दिये जाने वाला पुरस्कार एम्स, दिल्ली के सहायक प्रोफैसर सुरेन्द्र सिंह और हैदराबाद विश्वविद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डा. इंसाफ अहमद कुरैशी को संयुक्त रूप से दिया गया है।

सन् २०१० का बी.जी.आर.सी सिल्वर जुबली पुरस्कार पी जी आई चंडीगढ़ की डा. जसमीना आहलुवालिया और परिषद् के मुंबई स्थित प्रतिरक्षारुधिरविज्ञान संस्थान के डा. मलय बिस्वनाथ मुखर्जी को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया है।
सन् २०१० का कुंती एवं ओमप्रकाश पुरस्कार एम्स, दिल्ली के डा. एन.आर.जगन्नाथन को और इसी वर्ष का डा. एम. के. शेषाद्रि पुरस्कार परिषद् के पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान के डा. बालासाहेब तन्दले को प्रदान किया गया।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के डा. श्यामसुंदर को वर्ष २०१० का डा.पी.एन.राजू स्मृति व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया जबकि बंगलौर स्थित निमहन्स संस्थान के डा. जी.वेंकटसुब्रह्मण्यम को इसी वर्ष का डा. विद्यासागर पुरस्कार प्रदान किया गया।

पंजाब यूनिवर्सिटी के डा. प्रवीण ऋषि को वर्ष २०१० का वाई.एस.नारायण राव पुरस्कार और वर्ष २०१० का लाला रामचंद कंधारी पुरस्कार पी.जी.आई. चंडीगढ़ की डा. अमरिन्द्रजीत कंवर को दिया गया है।

श्री चित्र तिरुनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के डा. चंद्रशेखर केसवदास को सन् २०१० का एम. एन.सेन स्मृति व्याख्यान पुरस्कार और इसी वर्ष के लिये तिरुवनन्तपुरम स्थित भू-विज्ञान अध्ययन केन्द्र के पूर्व वैज्ञानिक डा. नारायण सुभाष को नोवार्तिस स्मृति व्याख्यान पुरस्कार से नवाजा गया है।

लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मैडिकल यूनिवर्सिटी की डा. रश्मि कुमार को वर्ष २०१० का प्रो.बी.के.ऐकत पुरस्कार एवं इसी वर्ष के लिये प्रो. सुरिन्दर मोहन मरवाह पुरस्कार आइ.एच.बी.वी.ए.एस., दिल्ली के डा. ओम प्रकाश को प्रदान किया गया है।

वर्ष २००६ के लिये जो पुरस्कार प्रदान किये गये हैं उनमें पी.जी.आई. चंडीगढ़ के डा. रीतेश अग्रवाल को श्री कमल सतबीर पुरस्कार और डा. विकास मेढी को डा. डी.एन.प्रसाद पुरस्कार प्रदान किया गया है, जबकि डा. जे.बी. श्रीवास्तव स्मृति व्याख्यान पुरस्कार डी.आर.डी.ओ. के ग्वालियर स्थित शोध संस्थान के वैज्ञानिक डा. पवन कुमार को एवं डा. एम.ओ.टी. अयंगर स्मृति पुरस्कार, अन्ना यूनिवर्सिटी के डा. आर.बी.नारायण को प्रदान किया गया है। इसी प्रकार माननीय मंत्री महोदय ने चतुर्वेदी घनश्याम दास जयगोपाल स्मृति पुरस्कार डा. पी.सेल्वराज को और चतुर्वेदी कलावती जगमोहन दास स्मृति पुरस्कार पी.जी.आई. चंडीगढ़ के डा. सुरजीत सिंह को प्रदान किया है। सन् २००६ का श्रीमती स्वर्ण कांता डिंग्ली पुरस्कार मुंबई स्थित परिषद् के राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान की डा. नफ़ीसा हुसैनी बालासिनोर को दिया गया है।

डा. विजय कुमार श्रीवास्तव
प्रमुख, सूचना एवं प्रकाशन प्रभाग